

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री गोदोपमाष्टकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

শ্রীঃ

শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ

শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায় নমঃ

॥ শ্রী গোদোপমাষ্টকম্ ॥

সন্মানসাজ্জ প্ররণাং সারাসাররিরেকিনীম্।
সদগতিং শুদ্ধরূপাং ত্বরাং গোদে ! হংসীং প্রচক্ষতে ॥ 1 ॥

তেজোমযস্বরূপত্বরাং শ্রীমৎসেরিত রৈভরাং।
চিন্তামণিসমাগোদে ! দেশিকৈঃ ত্বমিহোচ্যসে ॥ 2 ॥

অনেকশাখোজ্জ্বলিত স্বরূপাং
অনন্তভোগিপ্রিয় বর্ধকত্বরাং।
সুরেশভূষাসুমনঃ প্রদানাং
সুরদ্রমেণাসি সমাদ্য গোদে ॥ 3 ॥

সদেগারিলাসেন তমোহরত্বরাং
সমস্তসদ্বন্দিত মণ্ডলত্বরাং।
পদ্মাননৌজ্জ্বল্যকর প্রভারাং
ভাসীহ গোদে ররিতুল্য শীলা ॥ 4 ॥

কলানিধিত্বরাং কমলাত্মকত্বরাং
ভরার্তি তাপ ক্ষপণস্বশৈত্যাং।
সদা মহারিষুপদানুষঙ্গাং
হিমাংশুতুল্য ত্বমিহাসি গোদে ॥ 5 ॥

শ্যামাং দ্বিজাধিপসুতাং শ্ররণাভিরামাং
মঞ্জুস্বনাং মদনমীশ্বরজং ভজন্তীম্।

गौदे गुरोस्त्रिजगतां गुणशालिनीं वरां
लीलाशुकीं कृतधियः समुदाहरन्ति ॥ 6 ॥

बृषप्रियां विश्वजनाखिलार्थ
विशाणनोत्कां विधिरासरेड्याम्।
श्रुतिप्रसन्नां सुरभिं विशक्ते
स्वस्थां मखार्हां भरतीं तु गौदे ॥ 7 ॥

गौदे स्नातासि मातस्त्रुमिह निगमशास्त्रोक्त मन्त्रक्रियाभ्यां
एतेनैरातिपापा व्रयमपि सकला मुक्तपापा भरामः।
लोके दृष्टं कर्मेदृशमिह सकलैः स्वप्रजारोग शान्ते
माता पीत्रा कषायं तनयमथ निजस्तन्य दानेन पाति ॥ 8 ॥

॥ श्री गौदोपमाष्टकं समाप्तम् ॥